SJU Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शनिवार 18 अप्रैल 2020 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 198

महत्वपूर्ण एवं खास

भारत 55 देशों को भेज रहा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना संकट के बीच भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकम्' का मंत्र साकार किया है। कई पड़ोसी मुल्कों के साथ ही भारत 55 देशों को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा की खेप भेज रहा है। इनमें प्रमुख रूप से अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, ओमान, यूएई, और नीदरलैंड जैसे देश शामिल हैं। ऐसे वक्त में जब अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की मदद रोक दी और चीन व्यापारिक हित को प्राथमिकता दे रहा है, भारत ने दुनिया के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। इसके लिए भारत ने कई देशों के साथ पुरानी दुश्मनी भी भुला दी है। लॉकडाउन के चलते फंसे 41 पाक नागरिकों के लिए मदद का अनुरोध आने के महज 24 घंटे बाद भारत ने उसके 41 नागरिकों को आठ अलग-अलग जगहों से वापस भेजा। अनुच्छेद 370 हटाने और नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ मलयेशिया, तुर्की, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान सहित कई मुस्लिम देशों ने भारत का विरोध किया था। पर पड़ोसी मुल्क मलयेशिया की मदद की, भले ही उसने विवादास्पद धार्मिक प्रचारक जाकिर नाइक का प्रत्यर्पण करने से इनकार कर दिया। दुनिया के देशों को मदद की मुहिम की देखरेख खुद पीएम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। मोदी रोज आधा दर्जन देशों के प्रमुखों से फोन पर बात कर उनकी जरूरतों की जानकारी लेते हैं।

सायन अस्पताल में 2 और डॉक्टर समेत 11 संक्रमित

मुंबई (आरएनएस)। देश में कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र से सामने आ रहे हैं। राज्य में कोविड-19 की वजह से 194 लोगों की मौत हो चुकी है और 3202 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इनमें 100 से अधिक मौतें मुंबई में हुई हैं। मुंबई में कई अस्पतालों के स्टाफ ही इस वायरस की चपेट में आ गए हैं, जिससे इलाज भी मुश्किल हो रहा है। सायन अस्पताल में दो और डॉक्टरों के कोरोना पॉजिटिव होने की रिपोर्ट आई है। सायन अस्पताल में अब तक 7 डॉक्टर, 5 नर्स और एक वार्ड बॉय संक्रमित मिले चुके हैं। मुंबई में 10-13 अस्पतालों के 150 से अधिक स्वास्थ्य कर्मचारियों के कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं। यहां पर काम करने वाले डॉक्टर, नर्स और कई वर्कर संक्रमित मिले हैं।

गुजरात में मौत का आंकड़ा बढ़कर 38 हुआ

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजरात में कोरोना वायरस संक्रमण से दो और लोगों की मौत हो जाने के बाद राज्य में इस घातक संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर शुक्रवार को 38 हो गई. प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने बताया कि वडोदरा एवं अहमदाबाद में पिछले 12 घंटों में दो और लोगों की मौत हुई. उन्होंने बताया कि 31 वर्षीय पुरुष की मौत वडोदरा और 55 वर्षीय पुरुष की मौत अहमदाबाद में उपचार के दौरान हुई. जयंती ने बताया कि पिछले 12 घंटे में कोविड-19 से संक्रमित एक अन्य व्यक्ति उपचार के बाद संक्रमण मुक्त हो गया और इसके साथ ही राज्य में अब तक 74 लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. गुजरात में पिछले 12 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 92 नए मामले सामने आने के बाद राज्य में इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 1,000 से अधिक हो गई है.

चीन और पाक सीमाओं की सुरक्षा होगी और चाकचौबंद

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन के बीच देश की सुरक्षा को देखते हुए चीन और पाकिस्तान सीमाओं पर ज्यादा चौकसी बरती जा रही है। भारतीय सेना ने राष्ट्रहित में उत्तरी और पूर्वी सीमाओं की सुरक्षा और मजबूत करने का फैसला किया है, जिसके लिए जवानों की और ज्यादा तैनाती करने का फैसला किया है।

भारतीय सीमाओं की सुरक्षा के अधिक मजबूती देने के लिए केंद्र सरकार ने जवानों को ले जाने के लिए दो विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है, ताकि इन्हें सीमा तक पहुंचाया जा सके। ये ट्रेनें शुक्रवार और शनिवार को चलेंगी। आने वाले कुछ हफ्तों में रेल मंत्रालय से विचार विमर्श करने के बाद कुछ और ट्रेनें भी चलाई जा सकती हैं। अधिकारियों के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा बलों के लिए दो विशेष ट्रेनें चलाने के लिए मंजूरी दी है। नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर सैन्य अभियानों के लिए जरूरत के लिहाज से दो सैन्य विशेष ट्रेनों को चलाने की योजना बनाई गई हैं। इनमें से एक बंगलूरू-बेलगाम-सिकंदराबाद-अंबाला-जम्मू के रूट पर 17 अप्रैल को चलेगी, जबकि बंगलूरू-बेलगाम-सिकंदराबाद-गोपालपुर-हावड़ा-न्यूजलपाईगुड़ी-गुवाहाटी मार्ग पर 18 अप्रैल को चलाई जाएगी। दरअसल, लॉकडाउन के दौरान तीन मई तक ट्रेनों के रद्द होने के चलते फंसे हुए जवानों को ड्यूटी तक पहुंचाने के लिए रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय और रेल मंत्रालय ने आपसी तालमेल के जरिए जवानों को पहुंचाने के लिए व्यवस्था बनाई। सूत्रों के मुताबिक जिस वक्त लॉकडाउन का एलान किया गया, उस दौर में ये जवान और अफसर बंगलूरू, बेलगाम, गोपालपुर और सिकंदराबाद में स्थित प्रशिक्षण केंद्रों में तैनात थे, ये सभी दक्षिणी कमांड में स्थित हैं। इन सभी ट्रेनिंग सेंटर्स में से 300 से 500 से ज्यादा अफसरों ने अपनी ट्रेनिंग पूरी कर ली है और अब उन्हें ड्यूटी पर तैनात किया जाना है।

क्वारंटीन में रहकर हुए फिट जवान ही होंगे तैनात

हालांकि, कोरोना के प्रकोप के चलते भारतीय सेना ने साफ कर दिया है कि जो सैनिक अनिवार्य तौर पर क्वारंटीन पीरियड पूरा कर चुके हैं और पूरी तरीके से जांच में फिट पाए गए हैं, उन्हें ही ट्रेन से भेजा जाएगा। इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बर्दाश्त की जाएगी। वहीं इन ट्रेनों के चलने से जो सैनिक लॉकडाउन की वजह से ड्यूटी नहीं ज्वाइन कर पा रहे थे, उन्हें सहूलियत मिलेगी। दोनों ही ट्रेनों में पैंट्री कार भी होगी और ट्रेनों को रेलवे और सेना ने सैनिटाइज भी किया है।

कश्मीर में बर्फ पिघलने के दौरान घुसपैठ कर सकते हैं आतंकी

दरअसल, भारत की उत्तरी सीमा पाकिस्तान से, जबकि पूर्वी सीमा चीन से लगती है। कोरोना के संकट के इस दौर में एहतियातन सेना अलर्ट है। इस वक्त भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है और नियंत्रण रेखा पर उसकी सेना लगातार सीजफायर उल्लंघन कर रही है। वहीं कश्मीर घाटी में बर्फ पिघलने के साथ ही आतंकियों के घुसपैठ की आशंकाएं भी बढ़ जाती हैं। हाल ही में पाकिस्तान ने कश्मीर के कुपवाड़ा सेक्टर में सीजफायर का उल्लंघन किया था, उस दौरान भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आतंकियों के लॉन्चिंग पैड को तबाह कर दिया है।

देश मे 82 फीसदी लोगों ने किया लॉकडाउन का समर्थन

» 86 प्रतिशत भारतीयों को है भविष्य की चिंता

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए लॉकडाउन के फैसले का समर्थन किया है। एक सर्वे के अनुसार, 82 फीसदी लोगों ने लॉकडाउन के पहले दौर का समर्थन किया है और ये लोग सरकार के हर कदम से सहमत हैं।

अंतराष्ट्रीय सर्वे के अनुसार देश के 86 फीसदी लोग अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। वहीं, ब्रिटेन में केवल 60 फीसदी, अमेरिका में 44 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 67 फीसदी और हांगकांग में 45 फीसदी लोग अपनी सरकारों के प्रयासों से संतुष्ट हैं। जब बात भविष्य की बात आती है तो 86 फीसदी भारतीय इसको लेकर चिंतित हैं जोकि अन्य देशों से कहीं ज्यादा है। हांगकांग 71 फीसदी, अमेरिका में 51 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया 39 फीसदी और ब्रिटेन में सिर्फ 38 फीसदी लोग लॉकडाउन के दौरान भविष्य को लेकर चिंतित हैं।

यह सर्वे 23-26 मार्च और दो से पांच अप्रैल के बीच भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और हांगकांग में दो चरणों में किया गया था। इसे सीटी ग्लोबल लीडरशिप इनसाइट्स ट्रैकर नाम से लंदन की सीटी ग्रुप/क्रॉस्बी टेक्स्टर इंडिया ने कराया था।

देश में 1748 लोगों ने कोरोना को दी मात

» 4 दिन में बढ़े ठीक होने वाले मरीज

नईदिल्ली (आरएनएस)। चीन से पूरी दुनियाभर में फैले कोरोना वायरस ने भारत के लगभग सभी राज्यों को अपनी चपेट में ले लिया है। देशभर में कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की संख्या अब 13387 हो गई है जबकि 437 लोगों की मौत हो चुकी है. स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 1000 कोरोना के नए मरीज मिले हैं जबकि 24 लोगों ने कोरोना संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया है. इन सबके बीच एक राहत की खबर ये है कि पिछले चार दिनों में कोरोना से संक्रमित मरीजों के ठीक होने की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है.

स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के ठीक होने की दर 13.6 फीसदी थी जबकि गुरुवार को यह 12.2 फीसदी थी. इसी तरह बुधवार को यह 11.41 फीसदी और मंगलवार को यह 9.9 फीसदी दर्ज की गई थी. कोरोना के मरीज जिस तेजी से ठीक हो रहे हैं वह भारत के लिए काफी अच्छा संकेत है.पिछले 24 घंटे में खतरनाक कोरोना वायरस से 260 लोग पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में पिछले 24 घंटों में 260 कोरोना मरीज ठीक होने के बाद अपने घर जा चुके हैं जबकि गुरुवार को यह संख्या 183 थी. शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार अब तक देशभर में 1748 लोग कोरोना के संक्रमण से ठीक हो चुके हैं और वह पूरी तरह से स्वस्थ बताए जा रहे हैं.

आखिर भारत में शुरू हुआ प्लाज्मा थेरेपी का इस्तेमाल

» कोरोना वायरस से संक्रमित गंभीर रोगियों का होगा इलाज

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में कोविड-19 का इलाज करने के लिए प्लाज्मा थेरेपी का इस्तेमाल शुरू हो गया है। इस प्रणाली से अब चिकित्सक कोरोना संक्रमण से मुक्त हो चुके 1600 लोगों के खून में मौजूद एंटीबॉडी का इस्तेमाल करके संक्रमितों का इलाज करेंगे। इस थेरेपी को कोरोना का संभावित इलाज माना जा रहा है।

भारत के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान निकाय, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद

(आईसीएमआर) के अलावा कम से कम दो अस्पतालों ने दिल्ली में थेरेपी की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के लिए आवेदन किया है। जिसके लिए प्रोटोकॉल बनाए गए हैं। कॉवालेसेंट प्लाज्मा थेरेपी में खून में मौजूद प्लाज्मा, जिसमें वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी होती है उसके जरिए उन मरीजों का इलाज किया जाता है जो गंभीर रूप से संक्रमण की चपेट में हैं। यह प्लाज्मा कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए लोगों के खून से लिया जाता है। दरअसल, शरीर पर जब कोई वायरस हमला करता है तो शरीर उससे लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाता है। जिसका उपयोग करके दूसरे मरीजों को ठीक किए जाने की संभावना है।

दिल्ली सरकार के स्वायत्त अस्पताल, लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस) ने पहले ही ट्रायल का संचालन करने के लिए अनुमति प्राप्त कर ली है। वहीं निजी अस्पताल मैक्स को ट्रायल करने के लिए अनुमति का इंतजार है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने कहा, सभी केंद्रों पर एक ही तरह का परीक्षण किया जाएगा, आईसीएमआर प्रोटोकॉल के अनुरूप अस्पतालों को मंजूरी दी जा रही है ताकि सभी केंद्रों से समान और तुलनात्मक डाटा मिल सके। आईएलबीएस के निदेशक डॉक्टर एसके सरीन ने कहा, देश में अब एक हजार से ज्यादा लोग कोविड-19 संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं और उनके ब्लड प्लाज्मा का इस्तेमाल गंभीर रूप से बीमार लोगों का इलाज करने के लिए किया जाएगा। ठीक हो चुके लोगों में मौजूद एंटीबॉडी सैद्धांतिक रूप से गंभीर रोगियों को संक्रमण से लड़ने में मदद करेगी। यह अन्य वायरल बीमारियों के लिए भी किया जाता है।

प्रदेश में कोई भी भूखा पेट नहीं सोएगा: सीएम योगी

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोक भवन में टीम इलेवन के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कम्युनिटी किचेन से जरूरतमंदों में और शेल्टर होम्स के निराश्रितों में पूर्व की भांति ही बेहतर ढंग से सबको भोजन मिलता रहे, यह सुनिश्चित होता रहे कि प्रदेश में न तो कोई भूखा रहे न भूखा सोए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि किसी के पास राशन कार्ड हो या ना हो, आधार कार्ड हो या ना हो, वह शहर का नागरिक हो अथवा गांव का, अगर वह

जरूरतमंद है तो उसे आनाज अवश्य मिले, उन्होंने घुमंतू लोगों तक भी भोजन और राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

हॉटस्पॉट में उल्लंघन पर करें सख्त कार्रवाई

इससे पहले मुख्यमंत्री ने गुरुवार को लोकभवन में टीम-11 के अधिकारियों के साथ लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा कर यह निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि लॉकडाउन का सख्ती से अनुपालन कराया जाए। हॉट स्पॉट क्षेत्रों को पूरी तरह से सील कर, आवागमन को पूरी सख्ती से प्रतिबंधित किया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। हॉट स्पॉट क्षेत्रों में घर-घर सैनिटाइजेशन कराया जाए।

संक्रमण छुपाने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई

सीएम योगी ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को छुपाने एवं जानबूझकर न बताने वाले लोगों को चिन्हित कर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। ऐसे लोगों को प्रश्रय देने वालों और उनकी तलाशी न करने वाले थानेदारों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक यूनिट में थर्मल स्कैनर तथा सैनिटाइजर की पर्याप्त उपलब्धता रहे। केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों को अधिकारीगण पढ़ें तथा कार्ययोजना तैयार करें। जिन जरूरी गतिविधियों के लिए अनुमति दी गई है उनके बारे में शासनादेश तत्काल जारी किया जाए।

पीएम मोदी ने आरबीआई द्वारा की गई घोषणाओं की सराहना की

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा आज की गई विभिन्न घोषणाओं की सराहना की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि इन कदमों से पूरी वित्तीय प्रणाली में तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ेगी और ऋण की आपूर्ति या उपलब्धता में सुधार होगा। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, 'आज आरबीआई द्वारा की गई घोषणाओं से तरलता में काफी वृद्धि होगी और ऋण आपूर्ति में सुधार होगा। इन कदमों से हमारे छोटे व्यवसायों, एमएसएमई, किसानों और गरीबों को मदद मिलेगी।

डिजिटल कुशलता में भारत दुनियाभर में सबसे अव्वल

नई दिल्ली (आरएनएस)। डिजिटल कामकाज को लेकर भारत दुनियाभर में सबसे कुशल देश है, जबकि ब्रिटेन और अमेरिका दूसरे-तीसरे स्थान पर हैं। गार्टनर इंक के बृहस्पतिवार को जारी सर्वे में बताया गया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले 67 फीसदी कर्मचारियों ने मशीन लर्निंग, एआई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीक को अपने कामकाज के लिए बेहतर बताया है। गार्टनर 2019 डिजिटल वर्कप्लेस सर्वे के अनुसार, अधिकांश भारतीय कर्मचारी डिजिटल क्षेत्र की नई तकनीकों को सीखने में रुचि दिखा रहे हैं। वरिष्ठ शोध विश्लेषक रश्मि चौधरी ने बताया कि 27 फीसदी से ज्यादा कर्मचारी डिजिटल रूप से पूरी तरह दक्ष हो चुके हैं और 10 में से 7 कर्मचारी नई तकनीकों को उच्च वेतन और बेहतर अवसर के रूप में देखते हैं। तकनीकी पेशेवरों का मानना है कि मैन्युअल या सेमी स्किल्ड कर्मचारियों के बजाए डिजिटल तकनीक में दक्ष लोगों की मांग ज्यादा है। कर्मचारियों द्वारा रियल टाइम सहयोग के लिए टूल इस्तेमाल करने के मामले में सिंगापुर और भारत काफी आगे हैं, जबकि चीन, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन में इसका विकास सुस्त है।

सरकार ने पैरासिटामॉल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध भी हटाया

» अब भारत करीब 9 हजार टन पैरासिटामॉल का कर सकता है निर्यात

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने पैरासिटामॉल को भी प्रतिबंधित निर्यात की सूची से हटा लिया है। सरकार के इस फैसले के बाद अब देश से करीब 9 हजार टन का पैरासिटामॉल नामक दवाई को निर्यात किया जा सकेगा।

विदेश व्यापार महानिदेशलय ने शुक्रवार को यह अधिसूचना जारी की है। सूत्र बताते हैं कि फार्मास्युटिकल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन दिनेश दुआ की सिफारिश पर वाणिज्य मंत्रालय ने शीर्ष स्तर पर विचार करके यह निर्णय लिया है। बताते हैं भारत में पैरासिटामॉल का पर्याप्त स्टॉक है। भारत यदि पूरी क्षमता से पैरासिटामॉल का उपयोग करे और पूरी क्षमता के साथ निर्यात करे तो भी छह महीने तक के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। बताते हैं भारत के पास इस समय कोई 62 हजार टन पैरासिटामॉल का स्टॉक है।

चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 संक्रमण के फैलाव में पैरासिटामॉल का भी योगदान है। विदेश से आने वाले लोग अपने बुखार को छिपाने के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट या बीच में पैरासिटामॉल खा लेते थे। इसके कारण भारतीय हवाई अड्डों पर होने वाली थर्मल स्क्रीनिंग में लोग बच गए थे। वहां शरीर का सामान्य तापमान होने के कारण एजेंसियों ने ऐसे लोगों को घर या अगले स्थान के लिए जाने दिया। आरएमएल के वरिष्ठ चिकित्सक का मानना है कि इनमें से कुछ लोग कोविड-19 से संक्रमित थे और बाद में इन्होंने तमाम लोगों को संक्रमित कर दिया। अतरराष्ट्रीय स्तर पर पैरासीटामॉल की काफी मांग है। इस समय हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के बाद पैरासिटामॉल की मांग सबसे ज्यादा है। प्रतिदिन के हिसाब से मानें तो करीब दो हजार टन पैरासिटामॉल की मांग रहती है।

मई महीने में शुरू होगी कोरोना की उल्टी गिनती

» अगले एक हफ्ते तक युद्ध स्तर पर होगी कोरोना पॉजिटिव लोगों की पहचान

» महानगरों में अक्टूबर महीने तक बरतनी होगी सतर्कता

नई दिल्ली (आरएनएस)। इस महीने कोरोना संक्रमित मरीजों के आंकड़ों में कमी आने की संभावना नहीं है। सरकार का अनुमान है कि कोराना संक्रमित मरीजों की संख्या मई के पहले हफ्ते तक बढ़ेगी। हालांकि अगले महीने के पहले हफ्ते के बाद कोराना संक्रमित मरीजों की संख्या में कमी आनी शुरू हो जाएगी। हालात को संभालने के लिए सरकार ने अगले एक हफ्ते तक युद्ध स्तर पर कोराना संदिग्धों की जांच कराने की योजना बनाई है।

गौरतलब है कि मार्च महीने के अंतिम हफ्ते से कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में उत्तरोत्तर बढ़ोत्तरी हो रही है। पिछले तीन चार दिनों से प्रतिदिन एक हजार से अधिक लोग संक्रमण का शिकार हो रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि यह सिलसिला फिलहाल मई महीने के पहले हफ्ते तक चलता रहेगा। इसके बाद कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में कमी आनी शुरू होगी। मई महीने के अंत तक कोरोना के खिलाफ उठाए गए कदमों का सकारात्मक असर पूरी तरह से दिखने लगेगा।

अगला एक हफ्ता बेहद महत्वपूर्ण- शुरू से सरकार के समक्ष टेस्टिंग किट को ले कर थी। अब इसकी पर्याप्त मात्रा मौजूद है। अब सरकार की योजना एक हफ्ते के अंदर युद्ध स्तर पर कोराना संक्रमितों और इलाकों की पहचान करने की है। सरकार का अनुमान है कि विशेष जांच अभियान के कारण कोराना संक्रमितों की संख्या में एकाएक बढ़ोत्तरी भी दिख सकती है। मगर योजना संक्रमितों की पहचान कर इन्हें क्वारंटाइन सेंटर, आइसोलेशन और होम आइसोलेशन में रखने की है। इसके लिए करीब 36 हजार क्वारंटाइन सेंटर में दो लाख से अधिक बेड की व्यवस्था पहले ही कर ली गई है। इस समय साढ़े तीन लाख से अधिक लोग क्वारंटाइन में हैं। यह संख्या इस हफ्ते पांच लाख तक पहुंच सकती है।

महानगरों-बड़े शहरों में अक्टूबर तक बरती जाएगी सतर्कता- सरकार के सूत्रों का मानना है कि भले ही मई में कोरोना से जंग की सकारात्मक तस्वीर सामने आने लगेगी, मगर महानगरों-बड़े शहरों को सामान्य

होने में अक्टूबर महीने तक का समय लग सकता है। महानगरों में स्थिति संभालने में फिलहाल दो से तीन महीने का समय लगेगा। इसके बाद अतिरिक्त सतर्कता के तहत कोराना प्रभावित क्षेत्रों में वर्तमान में जारी कई कड़े निर्देशों को पहले की तरह लागू रखा जाएगा। खासतौर पर भीड़ नहीं जुटने देने के लिए तमाम प्रावधान पहले की तरह जारी रखे जाएंगे।